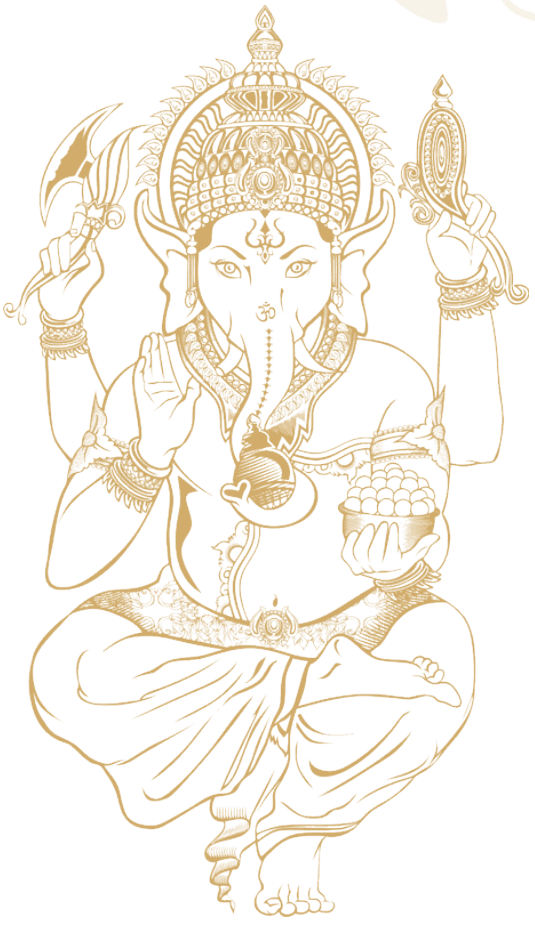

Rahul

Bhanu

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121268602

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
8-09/02/1999	जन्म तिथि	06/09/2003
सोम-मंगलवार	दिन	शनिवार
घंटे 02:30:00	जन्म समय	16:35:00 घंटे
घटी 48:31:02	जन्म समय(घटी)	26:24:04 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:05:35	सूर्योदय	06:01:22
18:06:08	सूर्यास्त	18:37:26
23:50:31	चित्रपक्षीय अयनांश	23:54:17

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 4वर्ष 1मा 15दि	15:51:49	वृश्चि	लग्न	मक	11:32:35	सूर्य 5वर्ष 7मा 17दि
बुध	25:48:16	मक	सूर्य	सिंह	19:32:57	मंगल
26/03/2022	29:53:43	तुला	चंद्र	धनु	27:29:12	24/04/2019
26/03/2039	11:10:56	तुला	मंगल व	कुंभ	08:53:26	24/04/2026
बुध 22/08/2024	29:19:32	मक	बुध व	सिंह	28:28:42	मंगल 21/09/2019
केतु 19/08/2025	05:15:10	मीन	गुरु	सिंह	08:16:52	राहु 08/10/2020
शुक्र 19/06/2028	20:04:59	कुंभ	शुक्र	सिंह	24:40:01	गुरु 14/09/2021
सूर्य 25/04/2029	04:26:55	मेष	शनि	मिथु	17:10:41	शनि 24/10/2022
चन्द्र 25/09/2030	28:18:39	कर्क	राहु व	मेष	29:23:35	बुध 21/10/2023
मंगल 22/09/2031	28:18:39	मक	केतु व	तुला	29:23:35	केतु 18/03/2024
राहु 10/04/2034	19:18:54	मक	हर्ष व	कुंभ	06:25:13	शुक्र 18/05/2025
गुरु 16/07/2036	08:40:17	मक	नेप व	मक	17:02:50	सूर्य 23/09/2025
शनि 26/03/2039	16:20:35	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	23:20:58	चन्द्र 24/04/2026

लग्न-चलित

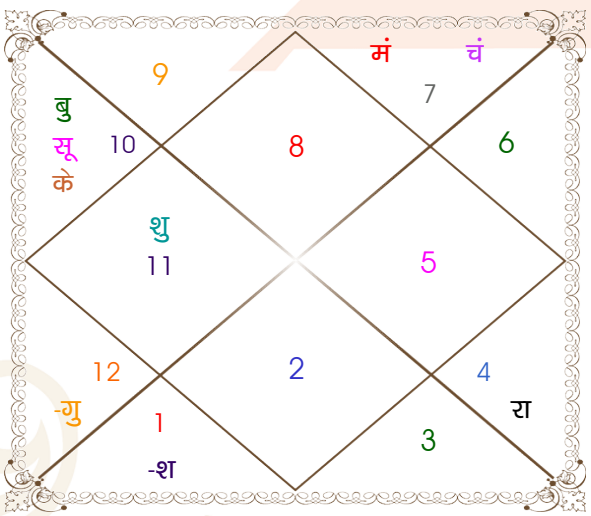

लग्न-चलित

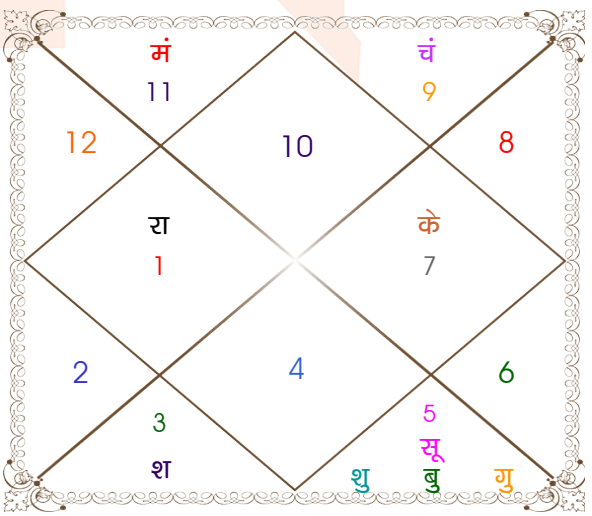

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	तुला	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	12.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

Rahul का वर्ग सर्प है तथा Bhanu का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Rahul और Bhanu का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Rahul मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Rahul कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Rahul कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Bhanu मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Bhanu कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Rahul तथा Bhanu में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।